हो दुनिया वालो हमसे सुनो-2
ब्रह्मज्ञान की है जो अमृत वाणी
1- माया के चक्कर में फंस कर
कुछ न मिलेगा माया वालो
मुक्ति पानी है गर तुमको,
ब्रह्मज्ञान सतगुरू से पा लो
फंसे ही रहोगे जो बात ये न मानी
2- पा लो पा लो ब्रह्मज्ञान तुम,
धनी चरणों में ध्यान लगा के
पछताओगे वर्ना फिर तुम,
मानवतन की योनि गंवा के
सतगुरू से ले लो ये प्यार की निशानी
3- एक को ही परमात्मा कहते,
पर न माने एक को कोई
झूठ को ही परमात्मा कहके,
यूंही सारी उम्र है खोई
कोई नहीं अपना ये दुनिया है फानी

Nijanand App